

IILM Academy of Higher Learning, Lucknow

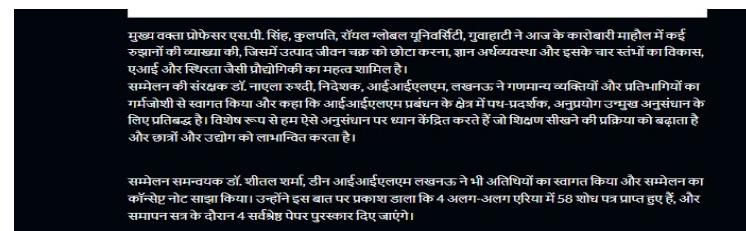
AICTE Sponsored International Virtual Conference 27-29, July 2023

Press as we see

<https://www.instantkhabar.com/item/3-day-virtual-international-conference-begins-at-iilm-lucknow.html>



<https://www.reportersdigest.page/2023/07/3.html?m=1>



सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, प्रोफेसर प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्पण से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें सकाय सदस्य डॉ. नेहा तिवारी, प्रोफेसर तोसीफ इरफान, प्रोफेसर आशीष महेंद्रा और प्रोफेसर तापसी श्रीवास्तव शामिल हैं।

Rashtriya Sahara 28/7/2023

आईआईएलएम में बिजनेस में भविष्य के रुझान इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस

लखनऊ (एसएनबी)। गोमती नगर स्थित आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग में 'बिजनेस में भविष्य के स्झानः ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी' पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय निदेशक आईआईएम इंदौर ने किया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वक्ता प्रोफेसर एसपी सिंह, वाइस चांसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला स्थदी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया।

स्कॉलर टाईम्स

प्रादेशिक

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

विशेष संवादवाता,

श्रीमती नगर निधि आईआईएलएम एफेडी और हायर लिंग, मेरे विजेता में भविष्य के क्षेत्रान्तर ज्ञान, लौशल, रिश्ता, नवचार और प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य वातीथ प्रोफेसर हेमा राय, निदेशक, आईआईएम इंडैर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय रामेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे मारत और विदेशों के विद्यार्थियों और शोध विद्यार्थियों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएं।

तुष्णि अधिकारी के साथ मुख्य वर्ता प्रोफेसर एस.पी. रिह, वाइस चांसलर नंगल म्यूनिसिपल बूनियादी और रामेलन की सटीक डॉ. नाएजा रूढ़ी, निदेशक 3 ईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में डिस्ट्रा दिया। सम्मेलन में मुख्य अधिकारी प्रोफेसर हिनंशु राय, निदेशक, आईआईएम इंडैर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिनाशित करने में राहगांग की गृहिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यक्तियों को विद्युत रूप से जेन-डेन से



वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में जारी और विवेद दो कार्यक्रमों की ओर विद्युतीय वाइफोन और एप्लिकेशन और एकाउंटिंग, आई.टी., आरेशनस और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करें। जो सात तकनीकों द्वारों के नाम रो आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध चाटीय और जंतरोटीय दोनों विशेषज्ञों द्वारा की जाएंगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संवादित किया जाएगा।

अपने उद्घाटन माध्यम में मुख्य अधिकारी प्रोफेसर हिनंशु राय, निदेशक, आईआईएम इंडैर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिनाशित करने में राहगांग की गृहिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यक्तियों को विद्युत रूप से जेन-डेन से

उन्मुख अनुसंधान के लिए तैयार है। देशों रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो विकास सीखने की नीतियां जो कहता है और यात्रों और उद्योग को ज्ञानित करता है।

सम्मेलन समन्वयक डॉ. श्रीतल शर्मा, होन आईआईएलएम लखनऊ ने भी शोधीयों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्सेप्ट नोट सद्वा केय। उन्होंने इस बात पर ध्यान दाला कि 4 बल्ग-बल्ग नियमों में 66 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समाप्ति हत्ते के दोस्रा 4 संदर्भ पर प्रस्ताव दिए जाएंगे।

सम्मेलन सद्वा डॉ. विश्वाति गुप्ता, एसोसिएट नोटर सर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा। कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा दोनों विद्युतीय विद्यार्थियों का नन्दन शामिल है। नमेलन की संस्कार डॉ. नाएजा रूढ़ी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणवान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का शर्मजोरी से रवानगत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रकल्प के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक अनुप्रयोग

एआईसीटीई अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस शुरू

लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफ
हायर लर्निंग में बृहस्पतिवार को तीन
दिवसीय एआईसीटीई बच्चुआल इंटरनेशनल
कॉन्फ्रेंस की शुरूआत हुई। व्यवसाय में
भविष्य के रूझान : ज्ञान, कौशल, स्थिरता,
नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय पर
एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित कॉन्फ्रेंस का
उद्घाटन मुख्य अतिथि निदेशक
आईआईएम इंदौर प्रो. हिमांशु राय ने किया।
संस्थान की निदेशक नायला रुश्दी ने बताया
कि कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश तमाम शिक्षाविद
अपने विचार व्यक्त करेंगे। इसके साथ ही
58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। कार्यक्रम
में प्रो. हिमांशु राय ने सामाजिक प्रभाव को
दोबारा परिभाषित करने में सहयोग की
भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि
व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से
अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और
सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की
आवश्यकता है। कॉन्फ्रेंस में कुलपति
रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी गुवाहाटी प्रो.
एसपी सिंह, डॉ. शीतल शर्मा, डॉ. विभूति
गुप्ता व डॉ. नेहा तिवारी आदि शामिल
हुए। (संवाद)

https://www.reportersdigest.page/2023/07/blog-post_46.html?m=1#more

REPORTERS DIGEST

स्कॉप

संपर्क करें

कृतिका
20, 2022

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्दुअल इंटरनेशनल
कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

27-29 अगस्त, 2022 तक आईआईएलएम लखनऊ की ओर साथ लाभी, वाराणसी में आयोजित "वर्दुअल इंटरनेशनल मैट्रिस के वर्कशॉप, फॉरम, विडो, वाराणसी और बैचलिंग" एवं उत्कृष्ट वैद्यनीक इन्डस्ट्रीज लाइनेप्स 20 अगस्त, 2022 को वर्कशॉप का अंत दिन की घावाही का अवधारणा किया।

प्रभावक के दूसरे दिन भारत और देशी भौतिकी ने एस.एस. और जी.डी.आर.एस. और एनीटी.आर.एस. और एनीटी.एस.पर प्रभावको प्रदान किया। जी.डी.आर.एस. के प्रदानी के द्वारा जी.डी.आर.एस. के प्रदानक, और विवेचक सम.भावों से सुनिश्चित और उत्तरदाक जी.डी.आर.एस. का प्राप्त हुआ।

आजके तरीके से बढ़ती कारबोरो मार्गील, नवाचार, एस.एस. और जी.डी.आर.एस. और एनीटी.आर.एस. और एनीटी.एस.के वर्कशॉप पर बहुत की जगह, जबकि यारी नियमों की समाप्ती विवेचकी द्वारा लाभी किया गया।

प्रभावको की सीधीता की दिनी दूसरे दिन समाप्त की गयी। जी.डी.आर.एस. की दृष्टिकोण समाप्त, विवेचक से विभिन्न अवधारणाएँ वर्कशॉप के फॉरम वाली विवेचकों और वाराणसी विवेचकों, अवधारणा (पुरुष) समाप्त प्रभावको के लिए बहुत बहुत विवेचकों की घोषणा करी।





<https://hnanews.co.in/%e0%a4%b6%e0%a4%bf%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%b7%e0%a4%be/15955/>

<https://www.manvimedia.page/2023/07/i-l-lm.html>

<https://currentmedia.in/virtual-international-conference-organized-at-iilm-lucknow/>

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में "विजनेस में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रैदौगिकी" पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अंतिम प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएलएम इंदौर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय समेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य अंतिम के साथ मुख्य बक्ता प्रोफेसर एस.पी. रिंह, बाइस चार्सलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और समेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुद्धी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। समेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, समेलन संयोजक डॉ. विन्धुति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। एमआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सेल्स, एव.आर. और ओ.वी., फाइनेन्स

और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यधारा प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएंगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अंतिम प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएलएम इंदौर ने सामाजिक प्रभाव को पिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य बक्ता प्रोफेसर एस.पी. रिंह, कूलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहोल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन बक्ता को छोटा करना, ज्ञान उर्ध्ववस्था और इसके चार स्तरों का विकास, एउआई और स्थिरता जैसी प्रैदौगिकी का नहत्व शामिल है। समेलन की संरक्षक डॉ. नाएला

रुद्धी, निदेशक, आईआईएलएम, लखनऊ ने गणनाच्य व्यक्तियों और प्रतिभावियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्नुख्य अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है। समेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अंतिमियों का स्वागत किया और समेलन का कॉन्फ्रेंस नोट राजा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्क्षेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे। समेलन संयोजक डॉ. विन्धुति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम, लखनऊ द्वारा आयोजित किए जा रहे एआईसीटीई प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय समेलन को आयोजन समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है।

<https://www.instantkhabar.com/item/iilm-lucknow.html>

The screenshot shows a video call interface. At the top, there's a navigation bar with 'instant खबर' and various menu items like 'होम', 'करोबार', 'समेलन', 'रखनीति', 'टेस्ट', 'ट्रिप्या', 'सेल', 'लखनऊ', 'उत्तर प्रदेश', 'जूड़ सर्वर', 'लेख', and 'विविध'. Below the nav bar, the main content area has a title: 'आईआईएलएम लखनऊ वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन, लेखकों ने शोधपत्र पेश किये'. It also shows the date 'मुख्य 28, 2023 8:56' and a 'SHARE' button. The video frame shows a woman with glasses speaking. There are some small text overlays at the bottom of the video frame.

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

(संबाददाता)

लखनऊ : आईआईएलएम एकडमी अफिलियर लिनिंग, लखनऊ में “विजनेस में भवित्व के रुझान जान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रैद्योगिकी” पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंटर्न द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध विद्वानों द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएं।

मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वकारा प्रोफेसर एस.पी. सिंह, वाइस चॉसलर रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी और सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुद्धी, निदेशक आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और उद्घाटन का कॉन्फ्रेंस नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डिली कि 4 अलग-अलग एसिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वोच्च पुस्तकार दिए जाएं। सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों को विश्वास दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।



एच.आर. और ओ.बी., फैलेन्स और एकाउन्टिंग, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सात तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राधीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा। अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंटर्न ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिख्यात करने में सहयोग की भूमिका पर जोर

दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशुद्ध रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य वकारा प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कूलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहील में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छेटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार स्तरों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रैद्योगिकी का महत्व शामिल है। सम्मेलन की संरक्षक डॉ. नाएला रुद्धी, निदेशक,

आईआईएलएम, लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गमनजाही से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबोधन के क्षेत्र में पथ-प्रदर्शक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष स्तर से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो जिक्रण सौख्यों की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और उद्घाटन का कॉन्फ्रेंस नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डिली कि 4 अलग-अलग एसिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वोच्च पुस्तकार दिए जाएं। सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर, आईआईएलएम लखनऊ ने कहा कि आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों को विश्वास दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को अधिक समिति के सदस्यों के सक्रिय समर्थन से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें संकाय सदस्य डॉ. नेहा तिवारी, प्रोफेसर तौसीफ़ इरफ़ान, प्रोफेसर आशीष महेंद्रा और प्रोफेसर तापसी श्रीवास्तव शामिल हैं।

Rashtriya Sahara, Lucknow, 29/7/2023

IIIM कॉफ्रेंस : देश-विदेश

के लेखकों ने पेश किए शोधपत्र
लखनऊ (एसपून्ड्री) : गोमतीनगर स्थित आईआईएलएम में न्यायालय में भवित्व के रुझान जान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रैद्योगिकता पर आयोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में दुर्दार दिन देश-विदेश के लेखकों ने हिस्सा लिया। भारत और विदेशों के लेखकों ने एचआर और ओबी, आईटी, आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने-अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें लेखकोंकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सब अस्थिरों से मूल्यवान और उत्पादक फोड़वैक प्राप्त हुआ। एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में लेजों से बदलते कारोबारी माहील में, नवाचार, एचआर और ओबी, आईटी, आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई। शोध लिखकों ने सम्मानित लेखकों ने सच्चा भी किया। सम्मेलन की संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन के अंतिम दिन 29 जुलाई को आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर सुशील कौमार और प्रोफेसर रिक्केश श्रीवास्तव, प्रोफेसर स्क्यूल यूनिवर्सिटी अवधान (यूएई) समाप्त समारोह की शोभा बढ़ाते हुए मुख्य प्रावण देंगे।

आईआईएलएम लखनऊ में 3 दिवसीय एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

संबाददाता

लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में “विजनेस में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रैद्योगिकी” पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंटीर द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 3 दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें पूरे भारत और विदेशों के शिक्षाविदों और शोध पत्रिकाओं द्वारा 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। मुख्य अतिथि के साथ मुख्य वर्कशॉप एस.पी. सिंह, वाइस चैम्पियन और एकाडमी, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सत तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएंगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा।

आईआईएलएम, लखनऊ ने भी उद्घाटन में हिस्सा लिया। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ, सम्मेलन संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने भी मंच की शोभा बढ़ाई। एआईसीटीई प्रायोजित इस वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में भारत और विदेश के कई लेखक मार्केटिंग और सैल्स, एच.आर. और ओ.बी., फाइनेंस और एकाडमी, आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत करेंगे, जो सत तकनीकी सत्रों के माध्यम से आयोजित किए जाएंगे, जिनकी अध्यक्षता प्रसिद्ध राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा की जाएंगी और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा।

अपने उद्घाटन भाषण में मुख्य अतिथि प्रोफेसर हिमांशु राय, निदेशक, आईआईएम इंटीर ने सामाजिक प्रभाव को फिर से परिभाषित करने में सहयोग की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर जोर दिया कि व्यवसायों को विशेष रूप से लेन-देन से अधिक सामाजिक रूप से जागरूक और सहानुभूतिपूर्ण होने की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर एस.पी. सिंह, कुलपति, रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी ने आज के कारोबारी माहौल में कई रुझानों की व्याख्या की, जिसमें उत्पाद जीवन चक्र को छोटा करना, ज्ञान अर्थव्यवस्था और इसके चार संभावों का विकास, एआई और स्थिरता जैसी प्रैद्योगिकी का महत्व शामिल है। सम्मेलन को संरक्षक डॉ. नाइला स्थदी, निदेशक,

लखनऊ ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि आईआईएलएम प्रबंधन के क्षेत्र में पथ-प्रदाशक, अनुप्रयोग उन्मुख अनुसंधान के लिए प्रतिबद्ध है। विशेष रूप से हम ऐसे अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करते हैं जो शिक्षण सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाता है और छात्रों और उद्योग को लाभान्वित करता है। सम्मेलन समन्वयक डॉ. शीतल शर्मा, डीन आईआईएलएम लखनऊ ने भी अतिथियों का स्वागत किया और सम्मेलन का कॉन्फ्रेंस नोट साझा किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि 4 अलग-अलग एरिया में 58 शोध पत्र प्राप्त हुए हैं, और समापन सत्र के दौरान 4 सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार दिए जाएंगे।

Bareli Ki Aawaj, Lucknow, 29/7/2023, Page-8

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन 27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफ हायर लर्निंग, लखनऊ में आयोजित

लखनऊ(बोरली की आवाज)। व्यापार में व्यवस्थ के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रैद्योगिकी पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 28 जुलाई, 2023 को सफलतापूर्वक अपने दूसरे दिन को कार्यवाली का आयोजन किया। सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और विदेशों के लेखकों ने एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अवधियों से मूल्यवान और उत्पादक फोड़बैक प्राप्त हुआ। आज के लेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया। सम्मेलन को



संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि होगा, जिसमें आईआईएम लखनऊ के सम्मेलन का अंतिम दिन 29 जुलाई को प्रोफेसर सुशील कुमार और प्रोफेसर रिकेश

आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

बीबास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (गूर्ज़ी) समापन समारोह की ओर बढ़ायी और मुख्य भाषण देंगे और प्रत्येक ट्रैक के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा करेंगे।

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित
वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकेडमी अश्वफ हायर लनिंग, लखनऊ में आयोजित



व्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय । — दिन की कार्यवाही का आयोजन
 - लखनऊ “व्यापार में खिलौने के क्रिया” । — सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और
 - राजनीति, ज्ञान, कौशल, रित्यरता, विदेशों के लेखकों ने एचआर और
 - नवाचास और “प्रौद्योगिकी” पर विदेशों के लेखकों ने एचआर और
 - एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल ऑडी, आईटी, आपरेशन्स और
 - इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 28 जुलाई, सनलिटिक्स पर अपने शोध पत्र
 2023 को सफलतापूर्वक अपने दसरे प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों

के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ।

आज के तीजी से बदलते कारोबारी माहील में, नवाचार, एच.आर. और ओ.डी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

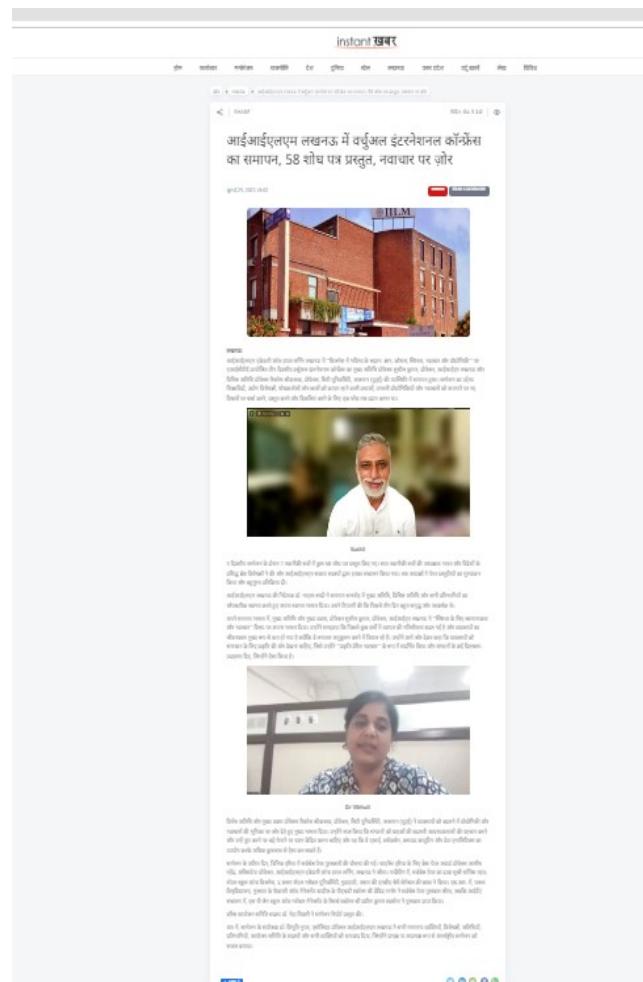
सम्मेलन की सेयोजक डॉ. विभूति गुप्ता ने बताया कि सम्मेलन का अंतिम दिन 29 जुलाई को होगा, जिसमें आईआईएम लखनऊ के प्रोफेसर सुशील कुमार और प्रोफेसर स्किल्श श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) समाप्त समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और मुख्य भाषण देंगे और प्रत्येक ट्रैक के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा करेंगे।

पार्वती

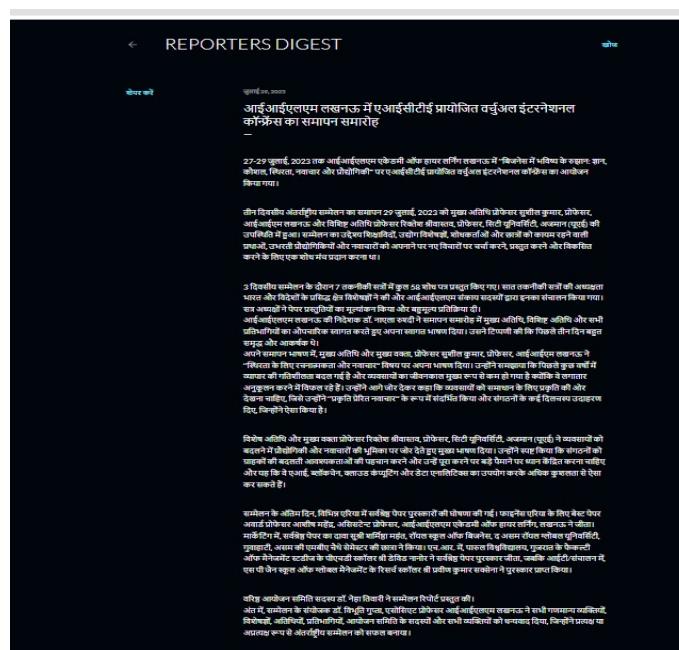
आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्राविदेत
वर्षात् इंटरनेशनल कॉलेजम का दसरा दिन संपन्न



<https://www.instantkhabar.com/item/virtual-international-conference-concludes-at-iilm-lucknow-58-research-papers-presented-emphasis-on-innovation.html>



https://www.reportersdigest.page/2023/07/blog-post_29.html



Vaicharik Tufan, Lucknow, 30/7/2023, Page-2

आईआईएलएम लखनऊ में
एआईटीटीई प्रायोजित
वर्षुअल इंटरनेशनल कॉन्फेस
का दृष्टारा दिन

27-29 जुलाई, 2023 तक
आईआईएलएम एकेडमी ॲफ
हायर लर्निंग, लखनऊ में
आयोजित

लखनऊ का 'व्यापार में भविष्य के
रूपानां ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवचार
और वैद्यायिकी' पर एआईटीटीई द्वारा
प्रायोजित वर्षुअल इंटरनेशनल कॉन्फेस
28 जुलाई, 2023 को सफलतापूर्वक
अपने दूसरे दिन की कार्यवाही का
आयोजन किया।

सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और
विदेशों के लेखकों ने एच.आर. और
ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और
एनालिस्ट्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत
किए। उन्हें तकनीकी स्रोतों के प्रसिद्ध और
विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और
उत्तमात्मक फ़ीडबैक प्राप्त हुआ।

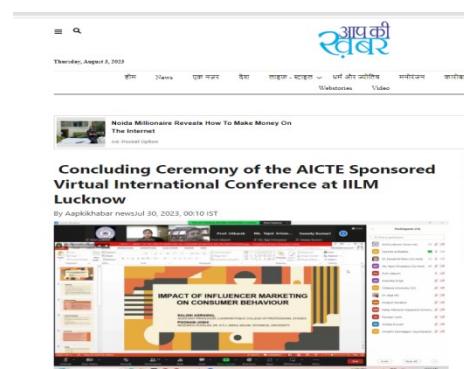
आज के तेजी से बदलते कारोबारी
मालौल में, नवचार, एच.आर. और
ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और
एनालिस्ट्स के महत्व पर चर्चा की गई,
जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित
लेखकों द्वारा साझा किया गया।

सम्मेलन की स्टोरेजक डी.वी.धिकृति गुप्ता
ने बताया कि सम्मेलन का अंतिम दिन 29
जुलाई को होगा, जिसमें आईआईएम
लखनऊ के प्रोफेसर स्कूलील कुमार और
प्रोफेसर रिक्षेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर सिटी
यूनिवर्सिटी, अजमान (यूई) समाप्त
समारोह की शोभा बढ़ाएंगे और मुख्य
ध्यान देंगे पर तथें तैक तैक तैक तैक
संवर्धनीय पेपर परस्कारों की घोषणा करेंगे।

आईआईएलएम में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का दूसरा दिन

संवाददाता, लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफहायर लर्निंग, लखनऊ में आयोजित “व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी” पर एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस को सफलतापूर्वक अपने दूसरे दिन की कार्यवाही का आयोजन किया। सम्मेलन के दूसरे दिन भारत और विदेशों के लेखकों ने एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए। उन्हें तकनीकी सत्रों के प्रसिद्ध और विशेषज्ञ सत्र अध्यक्षों से मूल्यवान और उत्पादक फीडबैक प्राप्त हुआ। आज के तेजी से बदलते कारोबारी माहौल में, नवाचार, एच.आर. और ओ.बी., आई.टी., आपरेशन्स और एनालिटिक्स के महत्व पर चर्चा की गई, जबकि शोध निष्कर्षों को सम्मानित लेखकों द्वारा साझा किया गया।

<https://aapkikhabar.com/local/concluding-ceremony-of-the-aicte-sponsored-virtual/cid11730353.htm>



Sword of India, Lucknow, 30/7/2023, Page-2

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह

(संबाददाता)

लखनऊ। 27-29 जुलाई तक आईआईएलएम एकेडमी ऑफहाइयर लर्निंग लखनऊ में “विजनेस में भविष्य के रुझानः ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी” पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रिक्स श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, डिजोग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को काथम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को

अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाला रस्ही ने समापन समांगे में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर

सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ ने “स्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचार” विषय पर अपना भाषण दिया। उन्होंने समझाया कि पिछले कुछ वर्षों में व्यापार की गतिशीलता बदल गई है और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है क्योंकि वे लगातार अनुकूलन करने में विपत्ति खो रहे हैं।

उन्होंने अगे जोर देकर कहा कि व्यवसायों को समाधान के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने “प्रकृति प्रेरित नवाचार” के रूप में संदर्भित किया और संगठनों के कई दिलचस्प उदाहरण दिए, जिन्होंने ऐसा किया है। विशेष अतिथि और मुख्य वक्ता प्रोफेसर रिक्स श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) ने व्यवसायों को बदलने में प्रौद्योगिकी और नवाचारों को भूमिका पर जोर

देते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठनों को ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं की पहचान करने और उन्हें पूरा करने पर बड़े पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और यह कि वे एआई, ब्लॉकचेन, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा एनालिटिक्स का उपयोग करके अधिक कुशलता से ऐसा कर सकते हैं। सम्मेलन के अंतिम दिन, विभिन्न एरिया में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा की गई। फ़ाइरेंस एरिया के लिए वेस्ट पेपर अलाई प्रोफेसर आशीष महेंद्र, असिस्टेंट प्रोफेसर, आईआईएलएम एकेडमी ऑफहाइयर लर्निंग, लखनऊ ने जीता। मार्केटिंग में, सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा सुश्री शमिष्ठि महंत, रायल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चैम्पियन द्वारा दिया गया।

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉफ्रेंस का समापन समारोह आयोजित

लखनऊ(बरेली की आवाज)- 27-29 जुलाई, 2023 तक आईआईएलएम एकड़मी और हायर लर्निंग लखनऊ में हाइटेकजनश में भविष्य के रुझान: ज्ञान, कौशल, स्थिति, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉफ्रेंस का आयोजन किया गया। जैन टिक्सीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन -29-जुलाई, 2023 को मुख्य-प्रतिबिधि-प्रोफेसर-मुश्ताक कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ-और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रितेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी मूर्निवर्सिटी, अजमान (यूएई) को उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य विशेषज्ञों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कल्यान रहने वाली प्रायोगिकी, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की

अन्यथा भारत और विदेशों के प्रसिद्ध शोज विशेषज्ञों ने को और आईआईएलएम सम्मेलन का उद्घास्तान का संचालन किया गया। सत्र 3-वर्षीयों-ने संपर्क-मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। 3-वर्षीयाईलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाइला रहर्षी-ने समापन समारोह में मुख्य विशेषज्ञ और सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए-अपवाहन भाषण किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और अकार्यक थे। अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि-और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर मूर्निवर्सिटी-कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ-ने हाइटेकजनश के लिए खननकाल और नवाचारह के विषय पर अपना भाषण दिया। उन्होंने समझाया कि मिलते कुछ वर्षों में व्यापार की गतिशीलता बढ़ाना चाहिए और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है क्योंकि वे-लगातार-बहुमूल्य करने में विफल रहे हैं। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि व्याख्यान

को समापन के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने हाइप्रॉक्रिट प्रैनिट व्याचारह के रूप में संर्वित किया। और विशेषज्ञों के कई विळचय बहुल दिए। जिन्होंने ऐसा दिया है। विशेषज्ञों और विशेषज्ञों की विशेषज्ञता और व्यवसायों को बदलने में यूएई ने व्यवसायों को बदलने में प्रौद्योगिकी और नवाचारों की भूमिका पर जोर देते हुए मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठनों को ब्राह्मणों की बदलती अव्यायकताओं की पहचान करने और उन्हें गूहा करने पर बहु-पैमाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। और यह कि-वे एआई-विज्ञान विज्ञान के संबोधक डॉ. विभूति गूता, एसेसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने सभी विषयान्वय व्यक्तियों, विशेषज्ञों, अतिथियों, प्रतिभागियों, अयोजन समिति के सदस्यों और सभी व्यक्तियों को बन्धवाद दिया, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को सफल बनाया।

लखनऊ नजीब। नाइला रहर्षी-ने सर्वश्रेष्ठ पेपर

का-वाचा-शीर्षित महत, गौवत स्कूल अैफ-

विजनेस, द-असम-गौवत ग्लोबल

यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए

विशेषज्ञों की विशेषज्ञता और विशेषज्ञता ने किया। एच.आर.

जैन, गास्क-विश्वविद्यालय, गुजरात-के

फैकल्टी और मैनेजमेंट स्टडीज-के

पीएचडी स्कॉलर और डेविड नानोर ने

सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता, जबकि

आईटी/संचालन में, एस पी जैन स्कूल

आईएम ग्लोबल मैनेजमेंट के रिसर्च स्कॉलर

प्रवीण कुमार स्कैम्पेना ने पुरस्कार प्राप्त

किया। वरिष्ठ अयोजन समिति सदस्य डॉ.

नेहा तिवारी ने सम्मेलन-रिपोर्ट ग्रन्ती-को

अत में, सम्मेलन के संबोधक डॉ. विभूति

गूता, एसेसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम

लखनऊ ने सभी विषयान्वय व्यक्तियों,

विशेषज्ञों, अतिथियों, प्रतिभागियों,

अयोजन समिति के सदस्यों और सभी

व्यक्तियों को बन्धवाद दिया, जिन्होंने प्रत्यक्ष

या अप्रत्यक्ष रूप से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को

सफल बनाया।

Rashtriya Sahara, Lucknow, 30/7/2023

IIIM : अन्तरराष्ट्रीय कॉफ्रेंस में 58 शोध पत्र पेश

लखनऊ (एसएनबी) | गोमतीनगर स्थित आईआईएलएम में 'व्यापार में भविष्य के रुझान ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी' पर तीन दिनी वर्चुअल इंटरनेशनल कॉफ्रेंस का रविवार को समापन हुआ। इस दौरान सात तकनीकी सत्रों में भारत और विदेशों के लेखकों ने एचआर और ओबी, आईटी, आपरेशन्स और एनालिटिक्स पर सात तकनीकी सत्रों में 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए।

समापन समरेह के मुख्य अतिथि प्रो. मुश्ताक कुमार (आईआईएम लखनऊ) और विशिष्ट अतिथि प्रो. रिक्तेश श्रीवास्तव (सिटी यूनिवर्सिटी अजमान) मौजूद रहे। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाइला रुशदी ने बताया कि कॉफ्रेंस का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और

छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान करना था। विभिन्न तकनीकी सत्रों के अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और

■ बिजनेस में भविष्य के रुझान पर विशेषज्ञों ने दिये व्याख्यान

बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाइला रुशदी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उन्होंने टिप्पणी कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और अकार्यक थे। विभिन्न

सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कारों की घोषणा के साथ ही इनका वितरण भी किया गया। फाइनेंस एरिया के लिए बेस्ट पेपर अवार्ड प्रो.आशीष महेंद्र (आईआईएलएम लखनऊ) ने जीता। मार्केटिंग में सर्वश्रेष्ठ पेपर का दावा शर्मिष्ठा महंत रॉयल स्कूल ऑफ बिजनेस, द असम रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गुवाहाटी, असम की एमबीए चौथे सेमेस्टर की छात्रा ने किया। एचआर मैनेजमेंट स्टडीज के पीएचडी स्कॉलर डेविड नानोर ने सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार जीता। आईटी/संचालन में, एसपी जैन स्कूल ऑफ ग्लोबल मैनेजमेंट के रिसर्च स्कॉलर प्रवीण सक्सेना ने पुरस्कार प्राप्त किया। आयोजन समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ. नेहा तिवारी ने सम्मेलन रिपोर्ट प्रस्तुत की।



शिक्षोहावादः आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेस का हआ समापन समारोह

शिक्षाविहार /लक्षण। 2023 ईश्वरीमन लक्षण में 27 से 29 जुलाई तीन दिन विद्यालय प्राइवेट कॉलेज एवं प्राइवेट बहुउच्चतर विद्यालयों का सम्पन्न समारोह किया गया। अई ईश्वरीमन एकड़ी ओं आंक हायर लिलेज लक्षण में दिनोंसे में भवित्व के रूपान्। शैक्षणिक विद्यालय, नामांकन और प्राप्तिशीली एवं ईश्वरीमन एकड़ी लक्षण इन्स्टीट्यूट का कार्यक्रम था। नामांकन किया गया। तीन दिनोंसे अंतिम अध्ययन कार्यक्रम का समाप्त 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अंतिम सुनील कुमार प्रोफेक्टर अई ईश्वरीमन लक्षण एवं विशेष श्रीविद्यालय, प्रोफेक्टर से पूर्णविद्यी। अजमानी विद्यालय ने अपनी विद्यार्थी द्वारा

भाषण दिया।
उपर्युक्त सम्प्रयोग में विकल्पे कुछ चर्चा में व्यापार की गतिविधियां बतल गई हैं और जबरदस्ती का विकास लम्बाएँ लम्बाएँ रोपे करना ही गया है क्योंकि इसे लगानी अनुचित हो गया है। उपर्युक्त आपने दो दोकान का किए जबरदस्ती को समझने के लिए प्रयत्न किए थे और दोनों दोकानों का विवेच उपर्युक्त परिवर्तन व्यापार के लिए अपने सामाजिक कार्यों को वाहन बनाया।

वर्षानिवारण का अधिक विवरण देती है। यहाँ परिचय विवरण में वर्षानिवारण का अधिक विवरण देती है। यहाँ परिचय विवरण में वर्षानिवारण का अधिक विवरण देती है। यहाँ परिचय विवरण में वर्षानिवारण का अधिक विवरण देती है। यहाँ परिचय विवरण में वर्षानिवारण का अधिक विवरण देती है।

एवं आर. मे. पारकर विश्वविद्यालय, गुमरात के पेंजबटी और पेनेमेंट स्टडीज के प्रीरिंग्स एवं स्कॉलर जी डिप्लोम नामके वे साईर्क्षण्य पेपर पुरस्कार विजेता, जबकि अंतिम गुमरात में, एवं ये पेन स्कॉल ऑफ एक्सामिनेशन में स्कॉलर जी डिप्लोम एवं स्कॉलर जी डिप्लोम विजेता विभिन्न कुमारी राजकीयों ने पुरस्कार प्राप्त किया। विरहु अपार्वत विमिति सदाचर्य डॉ. नेहा तिवारी ने सम्मान संस्कृत प्रसाद बनाया।

अतः मैं सम्मेलन के संयोजक डॉ. विभूति गुप्ता, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईएलएम लखनऊ ने यहाँ राष्ट्रीय ज्ञानिका, विद्यार्थी, अधिकारी, प्रतिभागिया, आदीजन कामगति

Jansandesh Times, Lucknow 30/7/2023

आईआईएलएम लखनऊ में एआईसीटीई प्रायोजित वर्चुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का समापन समारोह

लखनऊ। आईआईएलएम एकडोनी औंफ हावर लिनिंग लखनऊ में बिजेसमें भवित्व के रूपमें जान, कोलेज, स्ट्रिटरा, नायचार और प्रोटोकोलिक पर एआईसीटीइं प्राप्तीकरण वर्ष अंडर इंटेन्डेंसियल एफेस का आयोजन किया गया। तीन दिनों वाले अंतर्विषयक सम्मेलन का समापन 29 जुलाई को मुख्य अधिविषय प्राफेसर सुशाल कुमार, प्राफेसर, आईआईएलएम लखनऊ और विशेष अधिविषय प्राफेसर चित्रांग श्रीवास्तव, प्राफेसर, सिटी बृन्हिविस्टी, अजमान (यौवाण) को उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य विशेषज्ञ, उद्योग विशेषज्ञ, सोशलकार्यालय और छात्रों को कामय रहने वाली प्रायोगिक, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अनुमाने पर एक विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकासकार्य करने के लिए एक शोध मंच प्रस्तुत करना था। प्रत्येक सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों को अव्यक्तियां भरत और विदेशीों के प्रमित खेत्र विशेषज्ञों ने को और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा उन्हें संचालित किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का भूल्याकान किया और बहुल्याल प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निवेदिक डॉ. नारायण राघवी ने समापन समाप्ती के बाद मुख्य अधिविषयक विशेषज्ञ और अधिकारी और विदेशी प्राप्तीकरण को लिए बहुल्याल प्रतिक्रिया दी। उन्होंने समापन भाषण में, मुख्य अधिविषयक विशेषज्ञ और अधिकारी को, प्रोफेसर सुशाल कुमार, आईआईएम लखनऊ के सिद्धान्त के लिए रुचानवाक्ता और नवाचारों के लिए एक प्राप्त भाषण दिया। उन्होंने समापन भाषण में विलोक्त कुछ वर्षों में व्यापार को गतिविधियां बढ़ती हुई और व्यवसायों का जीवनकाल मुख्य रूप से कम हो गया है को समीक्षा की तरफ साझा किया है। उन्होंने अनुकूलता को जैविक रूप से बताया कि व्यवसायों को समाधान के लिए प्रकृति की ओर देखना चाहिए, जिसे उन्होंने प्रकृति प्रेरित नवाचारों के रूप में संदर्भित किया और संतोषन के कठि दिलचस्प उदाहरण दिए, जिससे ऐसा कहा गया।

विशेष अधिविषय और मुख्य वक्ता प्राफेसर रिकेंग श्रीवास्तव, प्राफेसर, सिटी बृन्हिविस्टी, अजमान (यौवाण) ने व्यवसायों के बदलाव में प्रौद्योगिकी और नवाचारों को भूमिका पर जोर देकर एक मुख्य भाषण दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नवाचारों को ग्राहकों की बदलावी अव्यक्तियां और विकासकार्यों और उन्होंने प्राप्त करने पर बड़े पैमाने पर व्यवसाय का निर्माण की चाही दी। और यह कहा गया कि एआईसीटीइं एक बहुकालीन, काठडांड कोटिवाटीय और क्लेटन

एस्टालिटिक्स का उपयोग करके अधिक कृतितता से ऐसोना का संकेत है। सम्मेलन के अधिकारी द्वारा, विभिन्न परियां में संवचनों परेपर पुस्तकारों की विधायिका की गई। अधिकारी प्रोफेसर माहेश, असिस्टेंट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर एवं एकल और लघु लखनी, लखनऊ के जीता। भारतीय बैंगन में, सर्वश्रेष्ठ प्रेयर का दाया खाली शामिल मार्गता रीतनालय आयोजित किया गया। अधिकारी विजयन, द अस्सम रीतवाल स्कॉल के चूनीवासिस्टों, गुवाहाटी, अस्सम की एप्पलों वैदेय समेत स्ट्रटर का ज्ञाना ने किया। एच. एर. में, पारस्पर विवरण्यालय, गुवाहाटी के फैकल्टी आम नेतृत्व के पांचपट्ठी वैदेय डेविड नानोर ने सर्वश्रेष्ठ प्रेयर पुस्तकों की जीत, जबकि अड्डों-संचालन में, एवं पांच जीत स्कॉल और अस्सम नेतृत्व के संकालन श्री प्रवीन कुमार सरस्वती ने पुस्तकार प्राप्त किया। वर्षात आयोजन की समीक्षा सदस्य द्वारा नहेत विवारी ने सम्मेलन रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंत में, सम्मेलन के सभी संयोगों की दिशा विधि गुण, एस्सेमिट और अंग्रेजी अपेक्षाएँ लखनऊ के द्वारा गणनायक व्यक्तियों विशेषज्ञों, अतिथियों, प्रतिभावितयों, आयोजन समीक्षी तथा सदस्यों और सभी व्यक्तियों के घन-व्यापद दिया, जिनमें प्राप्त विवरणों का अध्ययन रूप से अंतिम विवरणों को समझ दिया गया।

नवाचार और प्रौद्योगिकी पर चर्चा की

स्वतंत्रभारत संवाददाता, लखनऊ। आईआईएलएम एकेडमी ऑफहाईर लर्निंग लखनऊ में विजनेस में भविष्य के रुझानः ज्ञान, कौशल, स्थिरता, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर एआईसीटीई प्रायोजित वर्द्धुअल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 29 जुलाई, 2023 को मुख्य अतिथि प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रिक्षेश श्रीवास्तव, प्रोफेसर, सिटी यूनिवर्सिटी, अजमान (यूएई) की उपस्थिति में हुआ। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और छात्रों को कायम रहने वाली प्रथाओं, उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचारों को अपनाने पर नए विचारों पर चर्चा करने, प्रस्तुत करने और विकसित करने के लिए एक शोध मंच प्रदान

करना था। 3 दिवसीय सम्मेलन के दौरान 7 तकनीकी सत्रों में कुल 58 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सात तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता भारत और विदेशों के प्रसिद्ध क्षेत्र विशेषज्ञों ने की और आईआईएलएम संकाय सदस्यों द्वारा इनका संचालन किया गया। सत्र अध्यक्षों ने पेपर प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया और बहुमूल्य प्रतिक्रिया दी। आईआईएलएम लखनऊ की निदेशक डॉ. नाएला रुद्दी ने समापन समारोह में मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी प्रतिभागियों का औपचारिक स्वागत करते हुए अपना स्वागत भाषण दिया। उसने टिप्पणी की कि पिछले तीन दिन बहुत समृद्ध और आकर्षक थे। अपने समापन भाषण में, मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता, प्रोफेसर सुशील कुमार, प्रोफेसर, आईआईएम लखनऊ ने 'स्थिरता के लिए रचनात्मकता और नवाचार' विषय पर अपना भाषण दिया।